3094

सं श्रो वि । एफ बी । 154-86 | 43376 .-- चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं श्राईशर गुडर्थ लि । फरीदाबाद के श्रमिक श्री गोपाल दास मार्फत श्री के एल शर्मा, जी-15 श्रोल्ड प्रैस कालोनी, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रोद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अव, श्रीद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई फिविस्मों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रिधिनियम की घारा 7क के श्रिधीन गठित श्रीद्योगिक श्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है श्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

मया श्री गोपाल दास की सेवाम्रों निवृति न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो॰ वि०/एफ०डी०/159-86/43396.—चूं कि हिरयाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० श्रगुवा मैटल इण्डस्ट्रीज के-71, एन. आई. टी., फरीदाबाद के श्रमिक श्री परमानन्द मार्फत श्री चमन लाल भ्रोवराय महा सचिव, इन्टक, जिला परिषद् 1-ए/119 एन. आई. टी. फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के मम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायिनर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिये, अब, श्री द्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7क के श्रधीन गठित श्री द्योगिक श्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिद्धित मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादशस्त मामला है श्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

नया श्री परमानन्द की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो० वि०/एफ०डी०/159-86/4340 3.—चुंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० अगुवा मैटल इण्डस्ट्रीज प के-71, एन. ग्राई. टी., फरीदाबाद के श्रमिक श्री हरेन्द्र तिवारी मार्फत श्री चमन लाल ग्रोबराय महा सचिव, इन्टक, जिला परिषद 1-ए/119, एन. ग्राई. टी., फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है ;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते है;

इसलिए, ग्रब, ग्रीधोगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की घारा 7क के ग्रिधीन गठित ग्रीधोगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिद्धिक मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है ग्रयवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री हरेन्द्र तिवारी की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० भ्रो० वि०/एफ. डी./159-86/43410.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० अगुवा मैटल इण्डस्ट्रीज के-71, एन.आई.टी. फरीदाबाद के श्रमिक श्री कृष्ण कुमार मार्फत श्री चमन लाल ओबराय, इन्टक जिला परिषद् 1-ए/119 एन.आई.टी., फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विचाद को त्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

ं इसलिए, ग्रन, श्रीबोगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947, की धारा 10, की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदान की गर्द शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7क के श्रधीन गठित श्रीबोगिक श्रधिकरण, हरियाणा, परीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जोकि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवाद इस्त मामला है श्रयवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट मामले हैं :—

क्या श्री कृष्ण कुमार की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?